दैनिक भास्कर
अजमेर, गुरुवार, 5 दिसंबर 2024 dainikbhaskar.com

रीट 2024 • रीट और बोर्ड की मुख्य परीक्षाएं फरवरी में प्रस्तावित

बोर्ड के हाथ से फिसल सकती है रीट; नहीं मिला नोडल एजेंसी बनाने का अधिकृत पत्र

भास्कर एक्सक्लूसिव

आरिफ कुरैशी | अजमेर

राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा (रीट)-2024 की नोडल एजेंसी का अधिकृत लेटर करीब दो महीने बाद भी राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड को नहीं मिल पाया है।

इधर, फरवरी में ही राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की परीक्षाएं शुरू होने को देखते हुए अब संभावना यही जताई जा रही है कि नोडल एजेंसी शिक्षा बोर्ड की जगह कोई और हो सकती है। हालांकि अभी तक सरकार ने बोर्ड को भी रीट के लिए मना नहीं किया है। रीट को लेकर प्रदेश में करीब दो महीने से हलचल है।

अब तक तीन बैठकें कर चुकी सरकार

रीट की तैयारियों को लेकर पहली उच्च स्तरीय बैठक 10 अक्टूबर को जयपुर में हुई थी। जिसमें शिक्षा विभाग के उच्च अधिकारियों के साथ ही बोर्ड सचिव आदि भी शामिल हुए थे। इसमें ही घोषणा कर दी गई थी कि रीट बोर्ड ही कराएगा। यह भी जानकारी दी गई थी कि नवंबर में रीट के लिए आवेदन शुरू किए जाएंगे और जनवरी 2025 में परीक्षा कराई जा सकती है। लेकिन इसके बाद तीन बैठकें हो चुकी हैं। फिर बीच में यह भी घोषणा की गई कि 1 दिसंबर को आवेदन शुरू किए जा सकते हैं। फरवरी में परीक्षा कराई जा सकती है। इतनी अवधि बीत जाने के बाद भी राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड को अब तक अधिकृत लेटर जारी नहीं किया गया है। इससे ही बोर्ड कार्मिकों में भी अब चर्चा शुरू हो गई है कि रीट संभवतः शिक्षा बोर्ड के पास नहीं रहेगी।

बोर्ड के सामने मुख्य परीक्षा की चुनौती

बोर्ड के सामने बड़ी चुनौती यह है कि फरवरी में ही बोर्ड 12वीं की मुख्य परीक्षाएं शुरू कराने की तैयारी कर रहा है। इस बार संभावना 10वीं की परीक्षा भी साथ ही शुरू करने की बन रही है।

यदि फरवरी में ही बोर्ड परीक्षा होगी तो बोर्ड को रीट का आयोजन कराना भी भी बड़ी चुनौती होगी। बोर्ड को एक साथ 20 लाख परीक्षार्थियों की बोर्ड परीक्षा और करीब 10 लाख अभ्यर्थियों की रीट परीक्षा एक ही महीने में कराना असंभव सा लग रहा है। चर्चा यह भी है कि यदि बोर्ड को ही रीट करानी है, तो संभवतया इसकी आयोजन तिथि बदल सकती है।

एमडीएसयू व जीसीए भी रीट में सक्षम

इधर, अजमेर में एसपीसी राजकीय महाविद्यालय अजमेर और एमडीएस यूनिवर्सिटी दो बड़े शिक्षण संस्थान हैं, जिनके पास प्रवेश परीक्षाओं के आयोजन के अनुभव हैं। एमडीएस यूनिवर्सिटी में अभी वीसी के पद पर वीएमओ यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. कैलाश सोडानी को लाया गया है। सोडानी ने प्री बीपीएड और प्री एमपीएड के आयोजन सफलता पूर्वक कराए हैं। इधर, एसपीसी राजकीय महाविद्यालय अजमेर द्वारा पूर्व में पीटीईटी और बीएसटीसी के आयोजन करा चुका है। ऐसे में शिक्षा जगत में चर्चा है कि अजमेर के किसी शिक्षण संस्थान या बीकानेर को रीट दी जा सकती है।

सरकार से अभी तक बोर्ड को नोडल एजेंसी बनाने का पत्र नहीं मिला है: सचिव

राजस्थान सरकार से अभी तक रीट की नोडल एजेंसी का अधिकृत लेटर नहीं मिला है। बोर्ड की तैयारी पूरी है। सरकार के आदेश की पालना की जाएगी।

-कैलाश चंद्र शर्मा, सचिव, राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर